ikB&19

कोशिश करके देख लें

यह आँख मिचौली खेल है। आप भी यह खेल अक्सर खेलते ही होंगे। कितना मजा आता है पट्टी बँधे साथी को छेड़ने में। वह इधर जाता है, उधर जाता है पर पकड़ नहीं पाता। पर जब आप की आँखों पर पट्टी बँधी होती है तो पसीना छूट जाता है। जिनकी आँख पर पट्टी बँधी होती है उसे बाकी साथी आवाज दे–देकर इधर–उधर भगाने की कोशिश करते हैं। बहुत बार पट्टीवाला साथी गिरते–गिरते बचता है, इस तरह इस खेल में बहुत मजा आता है। आप सबने यही खेल कई–कई बार खेला होगा।

1- tc vkidh vk[kksa ij iV~Vh c/kh gksrh gS vkSj vki lkfFk;ksa dks idMus dk iz;kl djrs gSa rks vkidks dSlk yxrk gS\

____

____

2- ml le; vki D;k&D;k lkprs gSa\

____

____

3- vkidk dl irk yxrk gfd vkid lkFkh dgk g\

_____

_____

4- D;k vki vkokt l dku nkLr g] fdl rjQ g] fdruh njh g] irk dj ikr g\

_____

_____

5- bl [ky e vkidk lcl vPNk D;k yxrk g\

_____

_____

6- ;fn vkidh vk[kk ij iVVh ck/k nh tk; rk vki D;k&D;k ugh dj ik,x\

_____

_____

_____

nfu;kHkj e cgr l 0;fDr ,l gkr g tk n[k ugh ikr g yfdu o Ndj o egl l djd o lHkh dk; dj yr gA dkb mUg tcjnLrh lgkjk n rk o ukjkt gk tkr gA tc dHkh mUg enn dh t:jr gkrh g rk o ekx yr gA ,l 0;fDr lHkh rjg dk dk; dj yr g tk dkb Hkh 0;fDr dj yrk g vkj mUg dHkh dkb fnDdr ugh vkrh g ;gh ugh ,l 0;fDr i<&fy[kdj vkt db rjg d dk; djr gA

7- vkid vkl&ikl bl rjg d 0;fDr gkx ftUg fn[kkb ugh nrk g\o viuk dke dl djr g\ irk djd fyf[k,A

_____

_____

_____

n[k ugh ldrs fdUrq i< ldrs gS

जो लोग देख नहीं पाते हैं वे चीज़ों की पहचान आवाज़, गंध एवं छूकर करते हैं। उनकी ये सब क्षमताएँ अभ्यास से बहुत पैनी हो जाती हैं। वे बहुत कुछ महसूस कर पाते हैं। उनके पढ़ने के लिए एक विशेष प्रकार की लिपि है इसे ''ब्रेल लिपि'' के नाम से जाना जाता है। ब्रेल लिपि से पढ़ने एवं लिखने के लिए अक्षरों को उभारकर बिन्दु के रूप में लिखा जाता है।

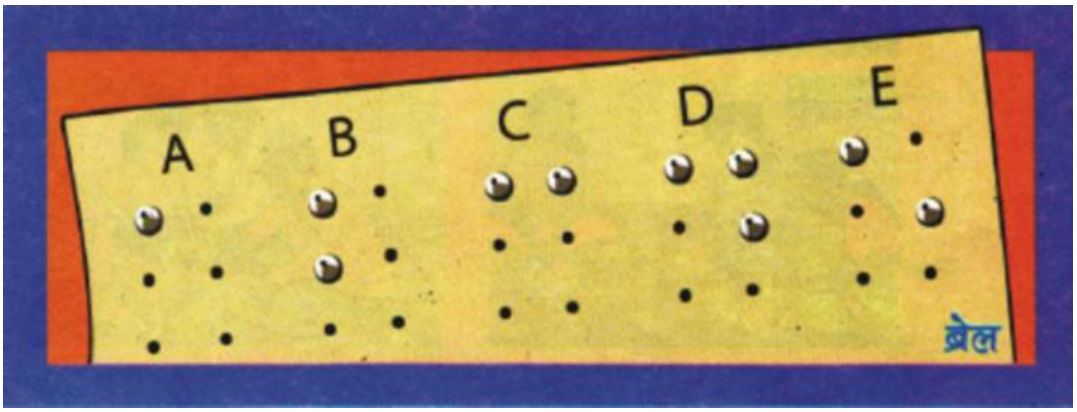

ब्रेल लिपि की खोज करनेवाले 'लुई ब्रेल'' भी आँखों से देख नहीं पाते थे। चोट लगने से बचपन में उनकी आँखें खराब हो गई थीं।

'kyUn dh ifg;kokyh dqlh

शैलेन्द्र स्कूल से आने के बाद खिड़की के पास बैठकर ड्राइंग बनाता रहता है उसकी माँ कहती वह सबसे अच्छी ड्राइंग बनाता है एक दिन उसके पिताजी उसके लिए पहियोंवाली कुर्सी ले आये। शैलेन्द्र ने जल्दी ही अपनी कुर्सी को आगे पीछे घुमाना सीख लिया। अब वह अपने घर में कहीं भी आ जा सकता है। एक दिन उसके पिताजी उसे घर के पास एक बगीचे में ले गये जहाँ कुछ बच्चे बॉल से खेल रहे थे शैलेन्द्र उन बच्चों को खेलते हुए देख रहा था, इतने में उसके पास बॉल आई। उसने बॉल को पकड़ लिया व उठाकर फेंक दी। वह बैठा–बैठा बच्चों को खेलते देख रहा था, कि एक बच्चा उसके पास आया और बोला, तुम भी खेलोगे? शैलेन्द्र ने खुशी से सिर हिलाया। बच्चों ने बातचीत की और उसे भी खेल में शामिल कर लिया।

8- mu cPpk u 'kyUn dk d l [kyk;k gkxk\

_____

_____

9- vki 'kyUn dk viu lkFk vkj D;k&D;k [ky [kyk l dr g\

_____

_____

10- d l [kyk,x\

_____

_____

11- 'kyUn viu ?kj e D;k&D;k djrk gkxk\

_____

_____

_____

l d rk dh Hkk"kk

आपस में बात करने के लिए हम अक्सर शब्दों का प्रयोग करते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि हम बिना बोले ही किसी को इशारे से बुला लेते हैं। ये इशारे अलग–अलग तरह के भी होते हैं और एक जैसे भी। आपको यह शायद पता नहीं होगा कि संकेतों की एक सम्पूर्ण भाषा है। हमारे आस–पास बहुत से ऐसे लोग हैं जो संकेतों की भाषा का उपयोग करते हैं कुछ लोग जो बोल नहीं सकते वे संकेतों की भाषा का उपयोग करके सभी तरह की बातचीत कर सकते हैं। इसमें हाथों व उँगलियों का भरपूर उपयोग होता है। संकेतों व इशारों

पर आधारित समाचारों का प्रसारण टेलीविजन पर भी किया जाता है। इस तरह की भाषा का उपयोग करते हुए लोग दुनियाभर की जानकारी का आदान–प्रदान करते हैं।

12- ;fn fcuk cksy gh uhp fn, x, dk;k dk djuk gk rk vki mUg dl djx\

(i) मेहमान का अभिवादन।

____

(ii) दोस्तों को अपने पास बुलाना।

____

(iii) पानी का गिलास माँगना।

____

(iv) खेलने के लिए साथियों को बुलाना।

____

CCC